हेपेटाइटिस D कैंसरकारी के रूप में घोषित

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

[विश्व स्वास्थ्य संगठन] (WHO) ने [हेपेटाइटिस D वायरस (HDV)] को कैंसरकारी के रूप में पुनः वर्गीकृत किया है।

हेपेटाइटिस

- **विषय:** यह **वायरल संक्रमण, स्व-प्रतिरक्षा विकारों, शराब/ड्रग विषाक्तता के कारण** होने वाली यकृत की सूजन है। यह तीव्र या दीर्घकालिक हो सकती है, जिससे **फाइब्रोसिस, सिरोसिस या यकृत कैंसर** हो सकता है।
- **लक्षण:** हेपेटाइटिस से संक्रमित कुछ व्यक्तियों में लक्षण दिखाई नहीं दे सकते हैं, लेकिन सामान्य लक्षणों में **बुखार, थकान, भूख न लगना, मतली, उल्टी, पेट में दर्द, डार्क यूरिन, मिट्टी के रंग का मल त्याग, जोड़ों का दर्द और पीलिया** शामिल हैं।
- **कारण:** हेपेटोट्रोपिक वायरस (A, B, C, D, E), अन्य जैसे **वैरिकेला, SARS-CoV-2 और गैर-वायरल कारण जैसे शराब, ड्रग्स, ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस, फैटी लिवर।**
- **व्यापकता:** वर्ष 2022 में, **WHO ने रिपोर्ट किया कि हेपेटाइटिस B के 254 मिलियन, हेपेटाइटिस C के 50 मिलियन मामले** और **1.3 मिलियन मौतें** दर्ज की गईं। **30 से 54 वर्ष आयु वर्ग** के लोग **दीर्घकालिक (क्रॉनिक) मामलों का लगभग आधा हिस्सा** थे।
- **हेपेटाइटिस D:** यह एक **दोषपूर्ण वायरस** है जो संक्रमण और प्रतिकृति के लिये **हेपेटाइटिस B वायरस (HBV)** पर निर्भर करता है।
    - **जोखिम:** यह **हेपेटाइटिस B वायरस (HBV)** के साथ **सह-संक्रमण (Co-Infection)** या **सुपरइंफेक्शन** का कारण बनता है, जिससे केवल HBV की तुलना में **लीवर सिरोसिस** और **हैपेटोसेलुलर कार्सिनोमा** (लीवर कैंसर का एक प्रकार) का खतरा **2 से 6 गुना** तक बढ़ जाता है।
    - **व्यापकता:** भारत में इसका **प्रचलन कम है**, लेकिन यह संभावना है कि इसे **पर्याप्त रूप से दर्ज नहीं किया गया है**, खासकर **इंजेक्शन से नशा करने वाले लोगों** और **दीर्घकालिक हेपेटाइटिस बी (HBV) रोगियों** के बीच।
    - **निदान, उपचार और रोकथाम:** निदान **HDV-RNA परीक्षण** पर निर्भर करता है तथा उपचार के विकल्प सीमित हैं, हालाँकि **बुलेवर्टिाइड** जैसी नई दवाएँ आशाजनक परिणाम दिखाती हैं।
        - इसकी रोकथाम **सार्वभौमिक हेपेटाइटिस बी टीकाकरण** पर निर्भर करती है, जिसका भारत में लगभग **50% कवरेज** है।
        - प्रमुख उपायों में **सुरक्षित रक्त संक्रमण**, **सुइयों की सुरक्षा**, **सुरक्षित यौन संबंध** और **उच्च जोखिम वाले समूहों की स्क्रीनिंग** शामिल हैं।
- **महत्त्वपूर्ण पहल:**
    - **WHO की 2022–2030 रणनीति:** वर्ष 2015 के स्तर की तुलना में **नई हेपेटाइटिस संक्रमणों में 90% की कमी** और **मृत्यु दर में 65% की कमी** का लक्ष्य रखा गया है। इसका उद्देश्य है कि वर्ष **2030 तक प्रति वर्ष हेपेटाइटिस के मामले 5.2 लाख** और **मृत्यु संख्या 4.5 लाख** तक सीमित की जाए।
    - **राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम:** वर्ष 2030 तक भारत से वायरल हेपेटाइटिस का उन्मूलन।
    - [राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम]।
    - [भारत का सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP)]।
    - [विश्व हेपेटाइटिस दिवस]।

हेपेटाइटिस के प्रकार

प्रकार	संक्रमण का माध्यम	बचाव	उपचार
हेपेटाइटिस A	दूषित भोजन खाने या दूषित पानी पीने से	- अच्छी स्वच्छता का पालन - टीका	कोई उपचार नहीं
हेपेटाइटिस B	संक्रमित व्यक्ति के रक्त या शारीरिक तरल पदार्थ के संपर्क से	- अच्छी स्वच्छता का पालन - टीकाकरण - रक्त की जाँच	- अल्फा इंटरफेरॉन - पेगिन्टिरफेरॉन

हेपेटाइटिस C	रक्त से रक्त का संपर्क	- अच्छी स्वच्छता का पालन - सुई, टूथब्रश, रेज़र या नाखून काटने की कैंची साझा करने से बचना चाहिये	प्रत्यक्ष-क्रियाशील एंटीवायरल दवाएँ (DAAs)
हेपेटाइटिस D	संक्रमित रक्त के संपर्क से (केवल उन लोगों में होता है जो पहले से हेपेटाइटिस B से संक्रमित हैं)	- हेपेटाइटिस B का टीका - सुई, टूथब्रश, रेज़र या नेलकटर साझा करने से बचना चाहिये	इंटरफेरॉन
हेपेटाइटिस E	दूषित भोजन खाने या दूषित जल पीने से	- अच्छी स्वच्छता का पालन - ऐसे पानी को पीने से बचना चाहिये जो संभवतः असुरक्षित स्रोत से आया हो	कोई उपचार नहीं
और पढ़ें: ग्लोबल हेपेटाइटिस रिपोर्ट 2024, विश्व हेपेटाइटिस दिवस			

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/who-classified-hepatitis-d-as-carcinogenic